>

Title: Need to undertake rehabilitation work for the people affected due to recent Cyclone in Kishanganj Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री मोहम्मद असरारुल हक़ (किशनगंज): महोदय, बिहार तथा समीपवर्ती पश्चिम बंगाल एवं असम प्रांत में तीव्र गति के आंधी/चक्रवात ने हाल में अप्रत्याशित कहर बरपाया है।

बिहार के सीमावर्ती जिलों पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा इत्यादि चक्रवात की इस विभीषिका का शिकार हुए हैं। व्यापक तौर तबाही का मंजर नजर आता है। आश्रयविहीन, अर्धनग्न और भूखे-प्यासे लोग बड़ी संख्या में प्रकृति की इस घोर विपदा का शिकार हुए हैं।

किशनगंज जिले के पिछला पंचायत और पूर्णिया जिले के प्रखंडों अमौर, बायसी, डगरुआ और अररीया जिले में अभी तक के आंकलन के अनुसार 96 मरे हैं जिनमें औरतें और बच्चे ज्यादा हैं तथा 200 जख्मी हुए हैं। इसके अलावा 40000 आशियाने उजड़ गए हैं उनमें रहने वाले लाखों लोग सड़कों पर आ गए हैं, न खाने को अन्न है और न ही पहनने को वस्त्र तथा 680 करोड़ रूपए की जायदाद की क्षति हुई है। इसके अलावा 22000 हेक्टेयर जमीन की मकई, सूर्यमुखी, गेहूं, आम, लीची की फसलों का नुकसान हुआ है। राज्य सरकार ने जो राहत के प्रयास किए हैं, वो पर्याप्त नहीं हैं।

उपर्युक्त के संदर्भ में मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि तुंत ही केंद्रीय दल वहां भेजा जाए जो क्षति का व्यापक आकलन करे एवं मृतक व्यक्तियों के आश्रितों को न्यूनतम पांच लाख रूपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाए। प्रत्येक परिवार को दो-दो क्विंटल अनाज और सिर पर साए के लिए तिरपाल उपलब्ध कराया जाए। आश्रयविहीन लोगों के लिए घरों का निर्माण कराया जाए, घायल व्यक्तियों की उचित चिकित्सा व्यवस्था की जाए एवं राज्य सरकार को कारगर कदम उठाने के लिए निर्देश दिए जाएं।